नई दिल्ली। ईश्वरीय सेवाओं के बारे में चर्चा करने के पश्चात् महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ओमशान्ति मीडिया पत्रिका के संपादक राजयोगी डॉ. ब्र.कु. गंगाधर भाई। साथ हैं ब्र.कु. लीना बहन,शांतिवन, ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके तथा ब्र.कु. विहान हरके।

गुमला-लोहरदगा(झारखण्ड)। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. मंजू बहन, निर्मला माता, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर अग्रवाल, बृजबिहारी प्रसाद तथा ओम प्रकाश सिंह।

माउण्ट आबू। गवर्नर हाउस में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर 'प्रेरणा-पाथ टू पीस' प्रोजेक्ट की जानकारी देने के पश्चात् उनके साथ हैं डॉ. ब्र.कु. बिन्नी बहन व ब्र.कु. राकेश भाई।

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जिस चीज़ का बीज बोयेंगे फल भी उसी का ही मिलेगा ना!

हर मनुष्य की विशेषता अपनी और पशु-पक्षी की विशेषता अपनी

गतांक से आगे...

पिछले अंक में हमने बात की थी कि हर प्राणी अपनी-अपनी योनि में खुश है। मनुष्य से अगर पूछा जाये कि क्या इस बार आपको चूहा या बिल्ली बना दिया जाये तो क्या मनुष्य हाँ कहेगा? बिल्कुल नहीं।

दूसरी बात, कहा जाता है कि जैसा बीज वैसा फल। अगर एक आम का बीज डालो नैचुरल है उसमें आम ही मिलेगा। आम का बीज डाल करके उसमें से चीकू तो नहीं मिलेगा ना! क्योंकि बीज अलग है। धरनी वही है, आकाश वही है, वायु वही है, जल वही है, लेकिन एक बीज से दूसरा कोई नहीं मिल सकता। क्यों? क्योंकि हर बीज की कैरेक्टरिस्टिक फीचर(विशेषणिक विशेषताएं) अपने-अपने हैं। इसीलिये एक फल से दूसरा फल मिल सकता है। लेकिन एक बीज से दूसरा फल नहीं मिल सकता। ठीक इसी तरह ईश्वर ने भी मनुष्य आत्मा को एक बार मनुष्य योनि में रोपित कर दिया तो फिर वह जानवर कैसे बनेगा! जिस आत्मा को जानवर योनि में रोपित कर दिया तो मनुष्य कैसे बनेगा क्योंकि दोनों आत्मा के कैरेक्टरिस्टिक फीचर अपने-अपने हैं। आज मनुष्य आत्मा के कैरेक्टरिस्टिक फीचर्स क्या हैं? मनुष्य आत्मा में इतनी क्षमता है जो 10 साल तक का सोच सकती है। प्लानिंग कर सकती है। और सब प्लानिंग करके वो चलता है। उसके बच्चे के बच्चे क्या खायेंगे वो भी सोच लेता और इकट्ठा करना शुरू कर देता है। जानवर शाम को क्या खाएगा उसके लिए इकट्ठा नहीं करता। हर योनि की विशेषता अपनी-अपनी है। मनुष्य में एक्स्ट्रा समझ शक्ति है, एक्स्ट्रा सोचने की पॉवर है जो जानवरों में नहीं है। जानवरों के अन्दर भी है लेकिन लिमिटेड।

लेकिन जानवर में जो विशेषता है वो मनुष्यों में नहीं है। कहा जाता है कि अगर कोई प्राकृतिक आपदा आने वाली होती है, भूकंप आने वाला होता है तो जानवरों को 24 घंटे से पहले मालूम पड़ जाता है। मनुष्य के पास इतने साधन होने के बावजूद भी उसको मालूम नहीं पड़ता। कहते हैं कि जब सुनामी आने वाली थी तो उस वक्त इंडोनेशिया में हाथी को 4 दिन पहले से मालूम पड़ गया था। हाथियों ने इतना अपना आवाज़ करना शुरू किया और जहाँ उन्हें बांधा हुआ था या जहाँ उन्हें रखा था वहाँ से अपने मालिक को लेकर के आगे की ओर चलने लग पड़े और पहाड़ी की तरफ जाने लगे क्योंकि वह स्लो पैर से चलता है तो 4 दिन में वह पहाड़ी पर पहुंच गए। और वो बच गए। पक्षियों को भी मालूम पड़ जाता है। वो भी आवाज़ करने लग जाते हैं। उड़ना चालू कर देते हैं तो जो विशेषता उनमें है वो मनुष्य में नहीं है और जो विशेषता मनुष्य में है वह पशु-पक्षी में नहीं है। तो हर मनुष्य आत्मा रुपी बीज की कैरेक्टरिस्टिक अपनी-अपनी है। तो एक बीज से दूसरा फल कैसे मिल सकता है! सोचने की बात है। तब कहा हर मनुष्य आत्मा अपने कर्मों का फल अपनी योनि में रह कर ही चूक्तू करती है। जानवर अपने कर्मों का फल अपनी योनि में रहकर चूक्तू करता है। आज एक कुत्ते को भी हम देखें एक कुत्ता जो है मोटर गाड़ी, बंगले में घूम रहा है, दूध और ब्रेड खा रहा है और दूसरा कुत्ता डस्टबीन से कीचड़ा उठाकर खा रहा है। वो अपनी योनि में रहकर अपने कर्मों का फल भोगता है। आज अगर सारी योनियों में घूम कर आएं तो तो कर्म सिद्धांत ही फेल हो जाए।

- क्रमशः

आज मनुष्य आत्मा के कैरेक्टरिस्टिक फीचर्स क्या हैं? मनुष्य आत्मा में इतनी क्षमता है जो 10 साल तक का सोच सकती है। प्लानिंग कर सकती है। और सब प्लानिंग करके वो चलता है। उसके बच्चे के बच्चे क्या खायेंगे वो भी सोच लेता और इकट्ठा करना शुरू कर देता है।

पटना-कंकरबाग(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग एवं केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में वाई20 कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 'स्वास्थ्य, भलाई और खेल एजेंडा फॉर यूथ' थीम के तहत आयोजित 'युवा शांति पद यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा। साथ में शिवध्वज लहराते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. संगीता बहन। कार्यक्रम में 200 युवा सहित कुल 300 लोगों ने भाग लिया।

राँची-झारखण्ड। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बायें से ब्र.कु. प्रदीप भाई, अभय नंदन अम्बष्ठ,संयुक्त सचिव,महिला बाल विकास तथा सामाजिक सुरक्षा विभाग,झारखण्ड, राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी तथा अमरजीत जी,वरिष्ठ प्रबंधक,हुंडई मोटर्स,राँची।

सहरसा-बिहार। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर वंदना कुमारी, जीआरपी इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार सिंह, ब्र.कु. स्नेहा बहन, ब्र.कु. रूबी बहन तथा अन्य।

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में छठी से ग्यारहवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए आयोजित त्रिदिवसीय 'बाल व्यक्तित्व विकास शिविर' में बच्चों को ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. रेखा बहन सहित राजयोग के अनुभवी प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों द्वारा योग की बारीकियों के साथ गहन अभ्यास कराया गया। साथ ही भौतिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक एवं मानसिक स्तर पर अनेक विषयों की जानकारी दी गई। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ जिसमें विजेता बच्चों को शिविर के समापन पर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। शिविर में दिल्ली एवं एनसीआर से 300 से भी अधिक बच्चों ने भाग लिया।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर 'जल जन अभियान एवं घर-घर तुलसी,हर घर तुलसी' वार्षिक थीम के अंतर्गत आयोजित प्रभात फेरी में शामिल बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के नारों के साथ राष्ट्रीय ध्वज, शिवध्वज तथा जल संरक्षण की तख्ती हाथों में लिए राष्ट्रभक्ति के गीतों की मधुर ध्वनि के मध्य विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर तुलसी का पौधा भेंट किया गया। इस दौरान ब्र.कु. शान्ता बहन, ब्र.कु. दुर्गेश बहन, ब्र.कु. श्वेता बहन, ब्र.कु. वंदना बहन, पूर्व सहायक कोषाधिकारी दाऊदयाल अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, भीमसैन, केशवदेव, नानक चन्द आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर ओडिशा रेल हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

नकुड-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नगर में आयोजित कार्यक्रम में नकुड ब्लॉक बीडीओ लोकचंद जी, पूर्व प्रमुख और एचआईटी कॉलेज के फाउंडर चौधरी हरिपाल सिंह, नगर चेयरमैन शिव कुमार गुप्ता, अंबेहटा दयानंद सरस्वती कॉलेज के प्रबंधक नरेश शर्मा तथा अन्य गणमान्य लोगों सहित रामपुर मनिहारान से आईं ब्र.कु. संतोष बहन, ब्र.कु. संगीता बहन आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर आये सभी अतिथियों को विभिन्न प्रकार के लगभग 200 पौधे भेंट किये गये।